Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 20 जनवरी, 2024

लिथियिम ब्लॉक के लिये भारत-अर्जेंटीना समझौता

हाल ही में भारत ने **खनिज बिदेश इंडिया लिमिटेड (KABIL)** के माध्यम से अर्जेंटीना में पाँच लिथियिम ब्राइन ब्लॉकों की खोज एवं विकास के लिये **अर्जेंटीना के स्वामित्व वाली CAMYEN** के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किये हैं।

- इस समझौता से KABIL को इन **ब्लॉकों मूल्यांकन, अन्वेषण करने** में मदद मिलेगी। साथ ही, **लिथियिम खनिजों** की खोज किये जाने के बाद इनके वाणिज्यिक उत्पादन के लिये दोहन संबंधी अधिकार भी प्रदान किये गए हैं।
  - यह **भारत में किसी सरकारी कंपनी द्वारा शुरू की गई पहली लिथियिम अन्वेषण और खनन परियोजना** है।
- **लिथियिम** को '**वाइट गोल्ड**'' भी कहा जाता है, यह देश के [हरित ऊर्जा] विकल्पों की ओर संक्रमण का आधार हो सकता है।
  - इसका उपयोग ऊर्जा भंडारण, मोबाइल फोन की बैटरी और [इलेक्ट्रिक वाहन] (EV) जैसे विभिन्न श्रेणियों में किया जाता है।
- **चिली, बोलीविया** और **अर्जेंटीना** विश्व के "**लिथियिम त्रिकोण**" का हिस्सा हैं।
  - **तीनों देशों के पास पूरे विश्व के कुल लिथियिम संसाधनों का आधे से अधिक हिस्सा** है।
  - अर्जेंटीना के पास **विश्व का दूसरा सबसे बड़ा लिथियिम संसाधन संपन्न होने, तीसरा सबसे बड़ा लिथियिम भंडार धारक होने तथा चौथा सबसे बड़ा लिथियिम उत्पादक** होने का गौरव प्राप्त है।

और पढ़ें... [भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने जम्मू-कश्मीर में लिथियिम की खोज की]

भारत ने डोमिनिकन गणराज्य, इक्वाडोर और नीदरलैंड के साथ MoU/MoI पर हस्ताक्षर किये

//

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने हाल ही में चिकित्सा उत्पादों के विनियमन के क्षेत्र में सहयोग पर **नीदरलैंड, डोमिनिकन गणराज्य और इक्वाडोर** के साथ अलग ज्ञापन को मंज़ूरी दी।

- नीदरलैंड के साथ **आशय पत्र (Memorandum of Intent- MoI या Letter of Intent- LOI)** पर 7 नवंबर, 2023 को हस्ताक्षर किये गए थे।
- डोमिनिकन गणराज्य के साथ **समझौता ज्ञापन (Memorandum of Understanding- MoU)** पर 4 अक्तूबर, 2023 को हस्ताक्षर किये गए।
  - साथ ही 7 नवंबर, 2023 को इक्वाडोर के साथ एक अलग समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गए।
- आशय पत्र और समझौता ज्ञापन दो के बीच प्राथमिक अंतर यह है कि एक LOI आमतौर पर कम विशिष्ट होता है, जो **मुख्य सिद्धांतों एवं सहयोग के प्रारंभिक इरादे पर ध्यान केंद्रित करता है और MOU सामान्यतः अधिक विस्तृत होता है, जिसमें सहयोग के दायरे, प्रत्येक पार्टी की ज़िम्मेदारियों, समयसीमा और संभावित** परिणामों को रेखांकित किया जाता है।

और पढ़ें: [भारत का फार्मासयुटिकिल उद्योग](), [भारत और नीदरलैंड संबंध]()

ऑपरेशन सर्वशक्ति: जम्मू-कश्मीर में गहन आतंकवाद-रोधी अभियान

भारतीय सेना ने हाल ही में एक रणनीतिक पहल के तौर पर**ऑपरेशन सर्वशक्ति** की शुरुआत की है। इसका उद्देश्य **जम्मू और कश्मीर** के **राजौरी एवं पुंछ क्षेत्रों** में भारतीय सैनिकों पर किये गए हमलों के लिये ज़िम्मेदार आतंकवादियों को मार गिराना है।

- इस पहल के तहत **श्रीनगर में चिनार कोर और नगरोटा में व्हाइट नाइट कोर एक साथ ऑपरेशन करेंगे।**
- यह ऑपरेशन वर्ष **2003 में पीर पंजाल रेंज के दक्षिण** में आतंकवादियों के खिलाफ शुरू किये गए **ऑपरेशन सर्पविनाश** के समान ही है, यह ऑपरेशन तीन माह तक चला था जिसमें लगभग 100 आतंकवादियों को मार गिराया गया था।

और पढ़ें... [आतंकवाद विरोधी एजेंडा को पुनः बढ़ावा]()

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rapid-fire-current-affairs-20-january-2024